

Indian Council of Social Science Research, New Delhi
& Gondwana University, Gadchiroli

Two Days' Janjatiya Gaurav (Tribal Pride) National Seminar

**"TRIBAL PRIDE AND LEGACY: CONTRIBUTIONS OF TRIBAL
COMMUNITIES IN SHAPING THE HISTORY AND CULTURE OF BHARAT"**

5th & 6th August 2025

Sponsored by: Indian Council of Social Science Research (ICSSR) under its
Scheme to Commemorate Birsa Munda's 150th Birth Anniversary.

Organized by : **Post Graduate Teaching Department of English**
in collaboration with
Tribal Studies Center, Gondwana University, Gadchiroli



Gondwana University, Gadchiroli, in collaboration with the Indian Council of Social Science Research (ICSSR), warmly invites scholars, researchers, activists, and community leaders to contribute to a vital dialogue on the profound and often under acknowledged contributions of tribal communities to the history and culture of Bharat. Our two-day Janjatiya Gaurav (Tribal Pride) Seminar seeks to illuminate the rich tapestry of tribal heritage, resilience, and impact across various spheres.

Sub-Themes:

- 1. Birsa Munda and Beyond: Iconic Tribal Figures in India's National Consciousness**
- 2. Birsa Munda in the Ulgulan (Munda Rebellion) and its Significance**
- 3. Tribal Historiography: Reclaiming Indigenous Voices in the History of Bharat**
- 4. The Vidarbha Legacy: Tribal Leaders and Movements in Central Provinces**
- 5. Janjatiya Contributions in Shaping the History of Bharat**
- 6. History of Tribal freedom fighters in Central Provinces.**
- 7. Folklore as History: Oral Narratives, Myths, and Memory in Tribal Communities**
- 8. Birsa Munda and the Decolonization of Tribal Histories in Central India**
- 9. Janjatiya Culture Heritage and Indigenous Practices**
- 10. Language, Performance, and Art: Expressions of Tribal Identity.**
- 11. Stories and Folktales of Tribal communities.**
- 12. Social memories of tribal life in the Pre pre-independence period of the Vidarbha region of Central Provinces.**
- 13. Writing of Tribal History through Orality.**
- 14. Historical aspects of Society, Culture, and Governance of Tribes in the Vidarbha region of Central Provinces.**
- 15. Methods of Documentation of Tribal History.**
- 16. Any other related themes.**



1. **Abstracts** of approximately 300 words and a brief biographical note about author (not exceeding 100 words) should be submitted electronically as a single Word document (.doc or .docx).
2. Please include the title of the paper, author(s) name(s), affiliation(s), and contact details (email & phone number).
3. **Full Paper Submission:** Submit a full paper of up to 3000 words (excluding references) on or before the deadline.
4. **Format:** Papers should be submitted in Microsoft Word format, using Times New Roman font (12-point size), with 1.5 line spacing & use Unicode for Marathi and Hindi.
5. **References:** Follow the MLA citation style (9th edition).
6. All submissions should be original and unpublished work.
7. **Publication:** All submitted papers will be reviewed by experts in the field and will be finally selected based on the criteria of originality, significance, quality of work and clarity of presentation for the publication in the form of an edited book with ISBN No.

Important Dates :

- Deadline for Abstract Submission: **May 20, 2025**
- Notification of Acceptance: **May 25, 2025**
- Full Paper Submission (for selected abstracts): **June 15, 2025**



All submissions should be sent to: Google Link: <https://forms.gle/EUagX7yYSJnArHF7>

We anticipate your insightful contributions to this significant seminar, which promises to be a vibrant platform for knowledge sharing and celebrating the invaluable legacy of India's tribal communities.

Organizing Committee

Dr. Vaibhav Masram,

Convenor

Janjatiya Gaurav (Tribal Pride) Seminar

Prof. Vivek Joshi,

Head

Post Graduate Teaching Department of English

Dr. Shilpa Athawale, Asst. Prof, PGTD of English, GUG

Dr. Pramod Jaware, Asst. Prof, PGTD of English, GUG

**Mr. Atul Gavaskar, Asst. Prof, PGTD of English, GUG (Publication
Coordinator) 9923104703**

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
गोंडवाना विश्वविद्यालय, गढ़चिरोली

द्वे दिवसीय जनजातीय गौरव राष्ट्रीय संगोष्ठी

“जनजातीय गौरव एवं विरासत: भारत के इतिहास और संस्कृति के निर्माण में जनजातीय समुदायों का योगदान”

दिनांक: 5 एवं 6 अगस्त 2025

बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाने की योजना के तहत भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (ICSSR) द्वारा प्रायोजित

द्वारा आयोजित: स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग और आदिवासी अध्ययन केंद्र, गोंडवाना विश्वविद्यालय, गढ़चिरोली



शोध-पत्र आमंत्रित

गोंडवाना विश्वविद्यालय, गढ़चिरोली, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (ICSSR), नई दिल्ली के सहयोग से विद्वानों, शोधार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं जनजातीय नेतृत्वकर्ताओं को सादर आमंत्रित करता है कि वे इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता करें, जिसका उद्देश्य भारत के इतिहास, संस्कृति एवं समकालीन विभास में जनजातीय समुदायों के अद्वितीय योगदान को प्रकट करना है।

उप-विषय

1. बिरसा मुंडा : भारत की राष्ट्रीय चेतना में जनजातीय नायक
2. उलगुलान (भुण्डा विद्रोह) में बिरसा मुंडा की भूमिका और महत्त्व
3. जनजातीय इतिहास लेखन: स्वदेशी दृष्टिकोण की पुनःप्राप्ति
4. विद्वर्भ की विरासत: केन्द्रीय प्रांतों में जनजातीय नेतृत्व और आंदोलन
5. भारत के इतिहास-निर्माण में जनजातीय योगदान
6. मध्य प्रांतों के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय योद्धाओं का इतिहास
7. इतिहास के संबंध में लोकगीत: आदिवासी समुदायों में मौरिकल कथाएँ, मिथक और स्मृति एवं मौरिकल परंपराएँ
8. मध्य भारत के जनजातीय इतिहास के उपनिलेश-विरोधी दृष्टिकोण में बिरसा मुंडा की भूमिका
9. जनजातीय सांस्कृतिक धरोहर एवं पारंपरिक व्यवहार
10. भाषा, प्रदर्शन एवं कला में जनजातीय पहचान की अभिव्यक्तियाँ
11. जनजातीय समुदायों की कहानियाँ और लोककथाएँ
12. मध्य प्रांत के विद्वर्भ क्षेत्र में स्वतंत्रता-पूर्व कालीन जनजातीय जीवन की सामाजिक स्मृतियाँ
13. मौरिकल परंपरा द्वारा जनजातीय इतिहास का लेखन
14. मध्य प्रांत के विद्वर्भ क्षेत्र में जनजातियों के समाज, संस्कृति और शासन के ऐतिहासिक पहलू
15. जनजातीय इतिहास के दस्तालेज़ीकरण के रौत तरीके
16. कोई अन्य संबंधित विषय



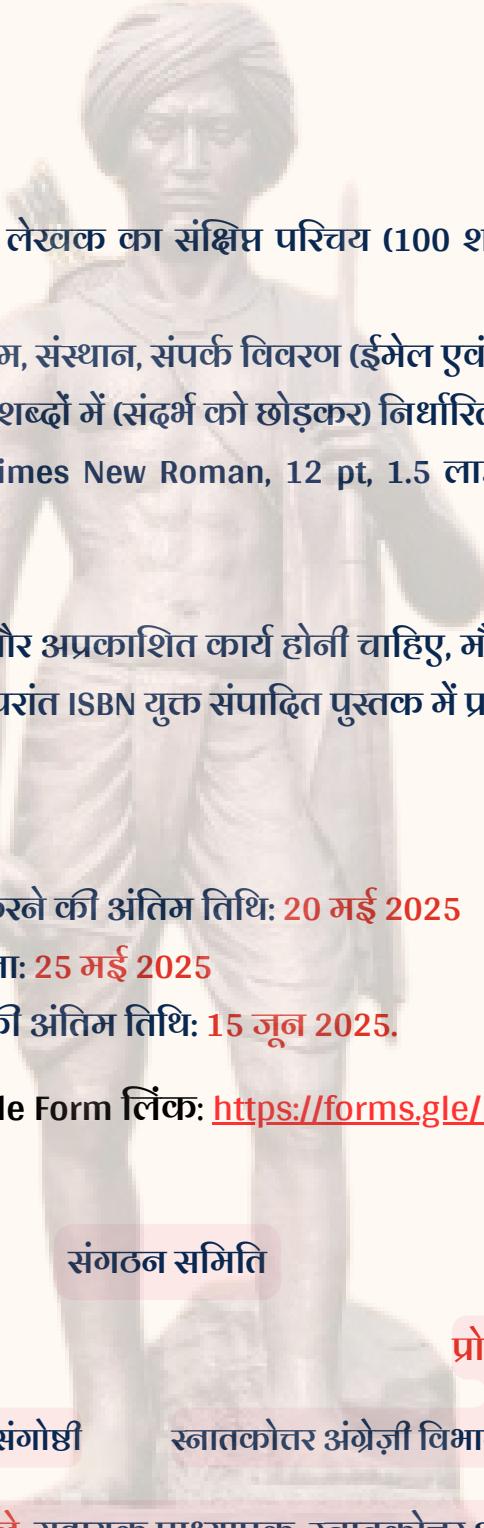
Indian Council of
Social Science Research

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
गोडवाना विश्वविद्यालय, गडचिरोली



दो दिवसीय जनजातीय गौरव राष्ट्रीय संगोष्ठी
“जनजातीय गौरव पुरुष विरासत: भारत के इतिहास और संस्कृति के
निर्माण में जनजातीय समुदायों का योगदान”

दिनांक: 5 एवं 6 अगस्त 2025



शोधपत्र प्रस्तुतीकरण दिशानिर्देश

- सारांश:** लगभग 300 शब्दों में, लेखक का संक्षिप्त परिचय (100 शब्दों तक) सहित, Microsoft Word फॉर्मेट (.doc/.docx) में।
- विवरण:** शीर्षक, लेखक का नाम, संस्थान, संपर्क विवरण (ईमेल एवं फोन नंबर)।
- पूर्ण शोधपत्र:** अधिकातम 3000 शब्दों में (संदर्भ को छोड़कर) निर्धारित तिथि तक।
- फ़ॉन्ट एवं फॉर्मेट:** (English) Times New Roman, 12 pt, 1.5 लाइन स्पेसिंग; हिंदी/मराठी के लिए यूनिकोड का उपयोग करें।
- संदर्भशैली:** MLA 9वीं संस्करण।
- प्रकाशन:** सभी प्रस्तुतियाँ मूल और अप्रकाशित कार्य होनी चाहिए, मौलिक, अप्रकाशित शोधपत्रों का विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन उपरांत ISBN युक्त संपादित पुस्तक में प्रकाशनके लिए चुना जाएगा।

महत्वपूर्ण तिथियाँ:

- सारांश जमा करने की अंतिम तिथि: **20 मई 2025**
- चयन की सूचना: **25 मई 2025**
- पूर्ण शोधपत्र की अंतिम तिथि: **15 जून 2025.**



शोधपत्र भेजने हेतु Google Form लिंक: <https://forms.gle/EUagX7yYSJnArFHF7>

संगठन समिति

डॉ. लैभव मसराम

संयोजक

जनजातीय गौरव (आदिवासी गौरव) राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्रो. विलेक जोशी,

विभागाध्यक्ष

स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग, गोडवाना विश्वविद्यालय, गडचिरोली

डॉ. शिल्पा आठवले, सहायक प्राध्यापक, स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग

डॉ. प्रमोद जावरे, सहायक प्राध्यापक, स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग

प्रा. अतुल गावस्कर, सहायक प्राध्यापक, स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग
(प्रकाशन संयोजक) 9923104703

pgtdenglishgug@gmail.com